कक्षा - आठवीं
विषय - हिन्दी

पाठ - 15

सूरदास के पद

— सूरदास

शब्दार्थ

अजहूँ - आज भी
बल - बलराम
बेनी - चोटी
काढ़त - बाल बनाना
गुहत - गूँथना
भुइँ - पृथ्वी, भूमि
लोटी - लोटने लगी
पचि - पचि - बार - बार
सूरज - सूरदास
हरि - हलधर - कृष्ण - बलराम
जोटी - जोड़ी
पैठि - घुसकर
सींके - छींका जिसमें दूध - दही आदि रखा जाता है
गोरस - गाय के दूध से बने पदार्थ दही, मक्खन, घी आदि
ढोटा - लड़का
अनभावत - जो पसंद नहीं आया
चिरजीवौ - दीर्घायु
अनोखौ - निराला
दिवस - दिन

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न - अभ्यास

पदों से

1. बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?

उत्तर :— बालक श्रीकृष्ण अपनी चोटी को बढ़ाने के लालच में दूध पीने को तैयार हुए थे। माता यशोदा बालक कृष्ण से यही कहती थी कि जितना अधिक तुम दूध पियोगे, उतनी ही तुम्हारी चोटी लंबी होगी।

Scanned with CamScanner

2. श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?

उत्तर :- श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में सोच रहे थे कि न जाने क्यों अभी चोटी छोटी है। वे दिन में कई बार दूध पीते हैं, तब भी यह छोटी की छोटी है। बड़े भैया बलराम की चोटी की तरह मेरी चोटी न जाने कब बढ़ेगी। माँ भी यही कहती है कि जल्दी मेरी चोटी बलराम भैया की चोटी की भाँति मोटी, घनी और लंबी हो जाएगी।

3. दूध की तुलना में श्रीकृष्ण कौन-से खाद्य पदार्थ को अधिक पसंद करते हैं?

उत्तर :- दूध की तुलना में श्रीकृष्ण माखन-रोटी खाना पसंद करते हैं।

4. 'तैं ही पूत अनोखौ जायौ'— पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन-से भाव मुखरित हो रहे हैं?

उत्तर :- 'तैं ही पूत अनोखौ जायौ' अर्थात् गोपी का यशोदा को यह कहना कि क्या तुम्हारा पुत्र ही अनोखा है? इसमें गोपी का शिकायत रूप में उलाहना का भाव मुखरित हो रहा है।

5. मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा क्यों देते हैं?

उत्तर :— मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा देते थे क्योंकि मक्खन ऊँचे टंगे छींकों की हांडियों में पड़ा होता था और श्रीकृष्ण छोटे बालक थे। छोटे-छोटे हाथों से जब ऊपर चढ़कर छींके से मक्खन चुराते व साथियों को खिलाते तो जल्दी-जल्दी में थोड़ा-बहुत बिखर जाता था।

6. दोनों पदों में से आपको कौन-सा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों?

उत्तर :- सूरदास के दोनों पदों में से प्रथम पद। भैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी? मुझे बहुत अच्छा लगा। अच्छा लगने का कारण यह है कि इसमें श्रीकृष्ण के बाल-सुलभ रूप को अत्यंत रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। कृष्ण द्वारा माता यशोदा से अपनी चोटी के विषय में तरह-तरह के प्रश्न पूछना पद को और अधिक रोचक बना देता है। इसी कारण मुझे यह पद अत्यंत पसंद है।

Scanned with CamScanner

भाषा की बात

1. श्रीकृष्ण गोपियों का माखन चुरा-चुराकर खाते थे इसलिए उन्हें माखन चुरानेवाला भी कहा गया है। इसके लिए एक शब्द दीजिए।

उत्तर :- माखनचोर।

2. श्रीकृष्ण के लिए पाँच पर्यायवाची शब्द लिखिए।

उत्तर :- श्याम, गिरिधर, गोपाल, माधव, कान्हा।

3. कुछ शब्द परस्पर मिलते-जुलते अर्थवाले होते हैं, उन्हें पर्यायवाची कहते हैं। और कुछ विपरीत अर्थवाले भी। समानार्थी शब्द पर्यायवाची कहे जाते हैं और विपरीतार्थक शब्द विलोम, जैसे —

पर्यायवाची — चंद्रमा — शशि, इंदु

विपरीतार्थक — दिन — रात

पाठों से दोनों प्रकार के शब्दों को खोजकर लिखिए।

उत्तर :- कविता पर आधारित शब्द —

पर्यायवाची — मैया — माँ, जननी
दूध — दुग्ध, गोरस
भैया — भाई, भ्राता
सूरज — सूर्य, दिनकर
पूत — पुत्र, लाल

विलोम शब्द — बढ़ेगी — घटेगी
छोटी — बड़ी
मोटी — पतली
दिन — रात
कच्चा — पक्का

Scanned with CamScanner